



# भारत का सजाफत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)  
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 334]

नई दिल्ली, सोमवार, अक्टूबर 27, 1980/कार्तिक 5, 1902

No. 334]

NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 27, 1980/KARTIKA 5, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

गृह मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर, 1980

सा० का० नि० 606(अ) :—केन्द्रीय सरकार, अखिल भारतीय सेवा अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सिक्किम राज्य सरकार के परामर्श से भारतीय पुलिस सेवा (ज्येष्ठता का विनियमन) नियम, 1954 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

- (1) इन नियमों का नाम भारतीय पुलिस सेवा (ज्येष्ठता का विनियमन) संशोधन नियम, 1980 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- नियम 5-अ के पश्चात् निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—  
“5-अ सिक्किम काडर के आरम्भिक गठन के समय सेवा में नियुक्त अधिकारियों की ज्येष्ठता।

इन नियमों में सिक्किम राज्य की बाबत किसी बात के होते हुए भी, राज्य काडर के आरम्भिक गठन के समय सेवा में नियुक्त अधिकारियों का आबंटन वर्ष और उनकी ज्येष्ठता केन्द्रीय सरकार द्वारा निम्नलिखित रीति से अवधारित की जाएगी, अर्थात् :—

- (क) भारतीय पुलिस सेवा के ऐसे अधिकारियों की बाबत जो अन्य राज्यों के काडर/संयुक्त काडर के हैं और स्थानान्तरण पर सिक्किम के काडर में नियुक्त हैं :

अधिकारी अपने आबंटन का मूल वर्ष कायम रख सकेंगे और अपनी परस्पर ज्येष्ठता के प्रयोजनों के लिए वे भारतीय पुलिस सेवा (ज्येष्ठता का विनियमन) नियम, 1954 के नियम 7 के उपबंधों से नियंत्रित होंगे।

- (ख) ऐसे अधिकारियों की बाबत जो सिक्किम राज्य पुलिस सेवा के अधिष्ठायी सदस्यों में से चयन करके नियुक्त किए गए हैं :

आबंटन का वर्ष, संघ लोक सेवा आयोग और राज्य सरकार के परामर्श से, ऐसे अधिकारियों की सेवा की अवधि और उनके द्वारा धारित पदों के वेतन या कार्य की प्रकृति या दोनों द्वारा यथाप्रतिबिम्बित उन पदों के उत्तरदायित्वों को ध्यान में रखते हुए तदर्थ रूप से अवधारित किया जाएगा।

[सं० 14014/54/80-अ० पा० से० (1)]

टी० वी० रमणन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
(Department of Personnel & A.R.)

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th October, 1980

G.S.R. 606(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), the Central Government, in consultation with the State Government of Sikkim, hereby makes the

following rules further to amend the Indian Police Service (Regulation of Seniority) Rules, 1954, namely :

(1) These rules may be called the Indian Police Service (Regulation of Seniority) Amendment Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Gazette of India.

2. After rule 5-C, the following rule shall be added namely :—

“5-D Seniority of officers appointed to the Service at the initial constitution of the cadre of Sikkim.

Notwithstanding anything contained in these rules in relation to the State of Sikkim the year of allotment and the seniority of officers appointed to the Service at the time of the initial constitution of the State Cadre shall be determined by the Central Government in the following manner, namely :—

(a) In respect of the Indian Police Service Officers borne

on the Cadres/Joint Cadres of other States, appointed to the Cadre of Sikkim on transfer :

officers shall retain their original year of allotment and for purpose of their interse seniority they shall be governed by the provisions of rule 7 of the Indian Police Service (Regulation of Seniority) Rules, 1954.

(b) In respect of officers appointed through selection from amongst the substantive members of the Sikkim State Police Service.

The year of allotment shall be determined ad-hoc in consultation with the Union Public Service Commission and the State Government after taking into account the length of service and responsibilities of posts held by the officers as reflected in pay or nature of duties or both.”

[No. 14014/54/80-AIS(I)]

T. V. RAMANAN, Jt. Secy.